ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शनिवार 25 अप्रैल 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 22

AAP छोड़ते ही बड़ा झटका: राघव चड्ढा के 14 लाख फॉलोअर्स घटे, दलबदल पर सियासी संग्राम तेज

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। नई दिल्ली में आम आदमी पार्टी (AAP) छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के सोशल मीडिया पर बड़ा असर देखने को मिला है। पार्टी बदलने के 24 घंटे के भीतर ही उनके इंस्टाग्राम फॉलोअर्स में करीब 14 लाख की गिरावट दर्ज की गई। जहां पहले उनके 14.6 मिलियन फॉलोअर्स थे, वहीं अब यह संख्या घटकर लगभग 13.2 मिलियन रह गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह गिरावट खासकर युवा वर्ग की प्रतिक्रिया हो सकती है, जो इस राजनीतिक फैसले से असहमत नजर आ रहा है।

AAP से BJP में गए कई बड़े चेहरे राघव चड्ढा के साथ राज्यसभा सांसद संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इसके अलावा हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल और राजेंद्र गुप्ता के भी साथ आने के संकेत दिए गए हैं। AAP नेता संजय सिंह ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले सांसदों को अयोग्य घोषित कराने के लिए राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखा जाएगा। उन्होंने दलबदल विरोधी कानून और संविधान की 10वीं अनुसूची का हवाला देते हुए कहा कि इस तरह का कदम असंवैधानिक है।

मालीवाल के गंभीर आरोप, केजरीवाल पर निशाना

इस बीच स्वाति मालीवाल ने अरविंद केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें महिला विरोधी और भ्रष्ट बताया। उन्होंने दावा किया कि पार्टी में उनके साथ दुर्व्यवहार हुआ और FIR वापस लेने के लिए दबाव बनाया गया।AAP और भाजपा के बीच इस घटनाक्रम को लेकर सियासत गरमा गई है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि BJP सवाल पूछने वालों से डरती है। जयराम रमेश ने इसे "वॉशिंग मशीन राजनीति" करार दिया। संजय राउत ने BJP की तुलना "बकासुर" से की। अन्ना हजारे ने दलबदल को लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया। राघव का बयानः 'गलत पार्टी में सही व्यक्ति था' राघव चड्ढा ने पार्टी छोड़ते हुए कहा कि उन्हें लंबे समय से लग रहा था कि वे "गलत पार्टी में सही व्यक्ति" हैं, इसलिए उन्होंने AAP से दूरी बनाकर नया राजनीतिक रास्ता चुना।

उत्तर-पश्चिमी भारत में गर्मी से फिलहाल राहत नहीं, अगले सात दिनों के लिए हीटवेव की चेतावनी

24 न्यूज अपडेट

देश के दो तिहाई हिस्सों में भीषण गर्मी से लोगों का हाल-बेहाल है. वहीं मौसम विभाग ने हीटवेव को बड़ी चेतावनी दी है. शनिवार 25 अप्रैल को विभाग ने बताया कि, लोगों को फिलहाल गर्मी से राहत नहीं मिलने वाली है. आईएमडी का कहना है कि, लोगों को अप्रैल के महीने में सामान्य से ज्यादा तापमान में रहने से बचने के लिए जरूरी बचाव के कदम उठाने चाहिए.

मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम, मध्य और प्रायद्वीपीय भारत में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से लेकर 44 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा. सबसे ज्यादा तापमान राजस्थान के श्री गंगानगर में 44.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. इसके अलावा, कई इलाकों में तापमान साल के इस समय के औसत तापमान से 5 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक है. ये सब मिलकर चल रही हीटवेव और नागरिक स्वास्थ्य और जलवायु उतार-चढ़ाव को लेकर और चिंता का संकेत देते हैं. आखिर में, डेटा देश की राजधानी दिल्ली में ट्रेंड दिखा रहा है.

अप्रैल 2020 से 2023 के दौरान शहर में सबसे ज़्यादा रिकॉर्ड किया गया तापमान इस तरह हैः

2020 में 38 डिग्री सेल्सियस से लेकर 40 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. 2021 में 42 डिग्री सेल्सियस से लेकर 44 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया. वहीं, 2023 में दिल्ली का तापमान 45 डिग्री से लेकर 47 सेल्सियस रहा, जबकि मार्च 2022 में भारत में आई खतरनाक हीटवेव के दौरान तापमान रिकॉर्ड किया गया था. इस साल, अप्रैल महीने में सबसे ज्यादा तापमान पूरे साल के सबसे ज्यादा तापमान के मुकाबले मौसम में बहुत पहले ही रिकॉर्ड किया जा रहा है.

गर्मी और शादी सीजन में मिलावट पर सख्तीः कुल्फी-आइसक्रीम के सैंपल लिए, कई जगह अनियमितताएं पकड़ी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 25 अप्रैल। खाद्य सुरक्षा विभाग ने गर्मी और शादी समारोह के सीजन में खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग को देखते हुए मिलावट के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। कार्रवाई के तहत कुल्फी और आइसक्रीम के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

यह अभियान आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देश पर प्रदेशभर में चलाया जा रहा है। जिले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान के तहत कार्रवाई की जा रही है।

अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेंद्र सिंह चौहान ने माली कॉलोनी से मटका कुल्फी और गारियावास क्षेत्र से आइस कैंडी के नमूने लिए। सभी नमूनों को जांच के लिए लैब भेजा गया है, जिनकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण में दोनों स्थानों पर कई अनियमितताएं भी सामने आईं। फर्म संचालकों के पास फूड सेफ्टी डिस्प्ले बोर्ड, फूड हैंडलर्स के मेडिकल सर्टिफिकेट और पेस्ट कंट्रोल रिपोर्ट उपलब्ध नहीं मिली। इस पर संबंधित संचालकों को सुधार नोटिस जारी करने की कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रयोगशाला रिपोर्ट में मिलावट या मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही फल-सब्जी विक्रेताओं को कार्बाइड से फल पकाने से सख्त मना करते हुए केवल स्वीकृत एथिलीन गैस के उपयोग की सलाह दी गई है। सीएमएचओ ने खाद्य कारोबारियों से स्वच्छता और गुणवत्ता मानकों का पालन करने की अपील की है। आमजन से भी खाद्य सामग्री खरीदते समय लेबल, निर्माण तिथि और एफएसएसएआई लाइसेंस की जांच करने को कहा गया है।

प्रेमी की शादी का कार्ड देख नर्सिंग छात्रा ने दी जान, इंस्टाग्राम स्टेटस में लिखा- 'रोना मत'

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा, 25 अप्रैल। बांसवाड़ा जिले के कसारवाड़ी थाना क्षेत्र में 19 वर्षीय नर्सिंग छात्रा ने प्रेमी की शादी तय होने से आहत होकर आत्महत्या कर ली। घटना से पहले छात्रा ने इंस्टाग्राम पर भावुक स्टेटस पोस्ट किया— "अगर मैं मर जाऊं तो रोना मत खुश रहना, सोचना एक टेंशन कम हुई।" पुलिस के अनुसार लक्ष्मी (19) शनिवार सुबह कमरे में फंदे पर लटकी मिली। परिजनों ने बताया कि वह दो दिन पहले ही उदयपुर से घर आई थी। लक्ष्मी अलवर के एक वेटरनरी कॉलेज में डिप्लोमा कर रही थी और पिछले चार साल से एक युवक के साथ प्रेम संबंध में थी। हाल ही में युवक की शादी कहीं और तय हो गई थी और उसका कार्ड भी लक्ष्मी तक पहुंचा था, जिससे वह सदमे में थी। शुक्रवार रात परिवार के लोग आंगन में सो रहे थे, जबकि लक्ष्मी कमरे में चली गई। सुबह देर तक बाहर नहीं आने पर परिजन कमरे में पहुंचे तो वह फंदे पर लटकी मिली। थानाधिकारी राजवीर सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। फिलहाल परिजनों की ओर से कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है और प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा सामने आ रहा है।

पचपदरा रिफाइनरी आग में 'साइबर अटैक' का एंगल! हाईटेक यूनिट्स हैक होने की आशंका, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

24 न्यूज अपडेट

बालोतरा/जयपुर। बालोतरा के पचपदरा स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड की हाईटेक रिफाइनरी में 20 अप्रैल को लगी भीषण आग के बाद जांच ने नया मोड़ ले लिया है। अब इस हादसे को संभावित 'साइबर अटैक' से जोड़कर भी जांच की जा रही है, जिससे सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गई हैं। सूत्रों के अनुसार आशंका जताई जा रही है कि आग लगने के समय रिफाइनरी के ऑटोमेटिक कंट्रोल सिस्टम को बाहर से हैक या हाईजैक करने की कोशिश की गई हो सकती है। इस एंगल को ध्यान में रखते हुए एजेंसियां डिजिटल लॉग्स, सर्वर डेटा और आईपी एड्रेस की गहन जांच कर रही हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं किसी बाहरी नेटवर्क ने सिस्टम में सेंध तो नहीं लगाई। सुरक्षा घेरा कड़ा, 1 किमी दायरे में कार्रवाई संभव हादसे के बाद रिफाइनरी के आसपास सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक, रिफाइनरी के 1 किलोमीटर के दायरे में आने वाली दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को हटाने पर विचार किया जा रहा है। साथ ही इलाके में रहने वाले किराएदारों और मजदूरों का पुलिस वेरिफिकेशन शुरू कर दिया गया है। बिना अनुमति किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। डोम हटाने का काम रोका, फॉरेंसिक जांच जारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे के लिए बनाए गए विशाल डोम को हटाने का काम फिलहाल रोक दिया गया है। सुरक्षा एजेंसियां इन स्थानों से फॉरेंसिक सबूत जुटाने में लगी हैं, ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि आग तकनीकी खराबी का नतीजा थी या किसी साजिश का हिस्सा। तकनीकी खामी या साजिश? कई एंगल पर जांच जिस क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (CDU) में आग लगी, उसका निर्माण कार्य टाटा प्रोजेक्ट्स के पास था। शुरुआती जांच में तकनीकी खराबी या लीकेज की संभावना जताई गई थी, लेकिन अब कॉन्ट्रैक्टर कंपनियों, साइट इंजीनियरों और प्रबंधन से भी पूछताछ की जा रही है।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्य सचिव बी. श्रीनिवास के साथ मौके का दौरा कर अधिकारियों से पूरी जानकारी ली। गौरतलब है कि करीब 79,459 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस रिफाइनरी का उद्घाटन 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाना था, लेकिन आग की घटना के बाद दौरा स्थगित करना पड़ा।20 अप्रैल दोपहर करीब 2 बजे रिफाइनरी की दो यूनिट्स में आग लगी थी। धुआं उठने पर कर्मचारियों ने फायर सेफ्टी सिस्टम सक्रिय किया और फायर ब्रिगेड ने 2 से 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

सीनियर सिटीजन के लिए अब FD हुई और भी फायदेमंदःस्मॉल फाइनेंस बैंक दे रहे सबसे ज्यादा रिटर्न

24 न्यूज अपडेट

शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच सुरक्षित निवेश चाहने वाले सीनियर सिटीजन के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) एक बार फिर सबसे पसंदीदा विकल्प बनकर उभरा है। साल 2026 में रिटायरमेंट के बाद अपनी पूंजी की सुरक्षा और रेगुलर इनकम को प्राथमिकता देने वाले बुजुर्गों के लिए एफडी पर शानदार रिटर्न मिल रहा है।

सीनियर सिटीजन को आमतौर पर आम ग्राहकों के मुकाबले 0.50% (50 बेसिस पॉइंट्स) ज्यादा ब्याज मिलता है। ब्याज की ये दरें आरबीआई की पॉलिसी, निवेश की अवधि और बैंकों की नकदी स्थिति पर निर्भर करती हैं।

सरकारी और प्राइवेट बैंकों में ब्याज दरें

सरकारी बैंकों में सीनियर सिटीजन के लिए एफडी दरें फिलहाल 7% के आसपास बनी हुई हैं।

पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक और केनरा बैंक 444 और 555 दिनों जैसी चुनिंदा अवधि के लिए 7.10% तक ब्याज दे रहे हैं।

वहीं, एसबीआई और बैंक ऑफ बड़ौदा 5 से 10 साल की लंबी अवधि पर 7.00% से 7.05% तक ब्याज ऑफर कर रहे हैं।

प्राइवेट बैंकों में रिटर्न थोड़ा बेहतर है। इंडसइंड बैंक 18 महीने की अवधि के लिए 7.50% के साथ सबसे आगे है।

कोटक महिंद्रा बैंक 7.30% और एक्सिस बैंक लंबी अवधि के लिए 7.20% ब्याज दे रहे हैं।

आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक में यह दरें 7.00% से 7.10% के बीच हैं।

छात्रा से छेड़छाड़ के दोनों आरोपी बदमाश गिरफ्तार, भागते वक्त हिस्ट्रीशीटर का पैर टूटा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 25 अप्रैल। शहर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ाने वाली घटना सामने आई है। दिल्लीगेट क्षेत्र में कोचिंग से घर लौट रही एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ करने वाले दो बदमाशों को उदयपुर पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई सूरजपोल थाना पुलिस द्वारा की गई, जिसे जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अंजाम दिया गया। पूरे ऑपरेशन का सुपरविजन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) उमेश ओझा के अधीन रहा, जबकि नेतृत्व नगर पूर्व वृताधिकारी सूर्यवीर सिंह राठौड़ ने किया। पुलिस के अनुसार, 23 अप्रैल की शाम छात्रा कोचिंग से घर लौट रही थी। इसी दौरान कल्याण ज्वैलर्स के पास स्कूटी सवार दो युवकों ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। आरोपियों ने पहले छात्रा पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं और फिर उसे रोककर हाथ पकड़ने का प्रयास किया। डरी-सहमी छात्रा ने सूझबूझ दिखाते हुए मौके पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी की ओर दौड़ लगाई, जिससे उसकी जान बच सकी। पुलिसकर्मी को देखकर दोनों आरोपी मौके से स्कूटी लेकर फरार हो गए। घटना के बाद छात्रा के परिजनों की ओर से थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई, जिसके बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू की। थानाधिकारी रतन सिंह चौहान और उप निरीक्षक दिनेश पाटीदार के नेतृत्व में टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और स्कूटी नंबर के आधार पर आरोपियों की पहचान की।

इसके बाद संभावित ठिकानों पर दबिश देकर दोनों आरोपियों—

शालीन मीणा पुत्र गोविंद सिंह मीणा, निवासी 127 एल ब्लॉक, सेक्टर-14, गोवर्धनविलास, उदयपुर,ओमप्रकाश पुत्र धनराज डांगी, निवासी लोयरा, थाना बड़गांव, उदयपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। दबिश के दौरान आरोपी शालीन मीणा पुलिस को देखकर भागने लगा और माछला मगरा (दूधतलाई क्षेत्र) के जंगलों की ओर भागते समय गिर गया, जिससे उसके पैर में फ्रैक्चर हो गया। पुलिस के अनुसार, शालीन मीणा थाना गोवर्धनविलास का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ मारपीट व हत्या के प्रयास सहित कुल 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस पूरी कार्रवाई में टीम के अन्य सदस्यों—सहायक उप निरीक्षक राजेशपाल, ओमवीर सिंह, हैड कांस्टेबल नेपाल सिंह, गणेशलाल, कांस्टेबल पवन (742), हितेन्द्र सिंह (3103), महिपाल सिंह (1326) और अभिषेक— की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस की अपीलः एसपी डॉ. अमृता दुहन ने आमजन, विशेषकर महिलाओं से अपील की है कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, पीछा करने या उत्पीड़न की घटना होने पर तुरंत महिला हेल्पलाइन 1090 या आपातकालीन नंबर 100/112 पर सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -

desk24newsupdate@gmail.com

संपादकीय : जागरूकता का मत

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाओं के तहत गुरुवार को हुआ मतदान पार्टियों के बीच जीत के लिए जोर- आजमाइश या राजनीतिक खींचतान से ज्यादा डाले गए वोट के फीसद के लिए दर्ज किया जाएगा। निश्चित तौर पर यह उम्मीद की जाती है कि लोकतंत्र के एक पर्व के तौर पर देखे जाने वाले चुनाव और मतदान में ज्यादा से ज्यादा मतदाता हिस्सा लें। मगर पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अब तक जितने अधिकतम लोगों ने वोट डाले थे, इस बार के चुनाव में वह आंकड़ा पार कर गया। स्वाभाविक ही इसे लोकतंत्र के जीवन और आम जनता के बीच व्यापक जागरूकता फैलने के रूप में देखा जा रहा है। मगर इसके समांतर कुछ अन्य सहायक कारक भी स्पष्ट हैं, जिनकी वजह से पात्र मतदाताओं ने दोनों राज्यों में जम कर वोट डाले। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में इस बार 'के पहले चरण में करीब तिरानवे फीसद लोगों ने मतदान किया, जबकि तमिलनाडु में पचासी फीसद से ज्यादा लोग घर से निकले और उन्होंने वोट डाले। जाहिर है, इतनी बड़ी संख्या में नागरिकों ने अगर मतदान किया है, तो इसके पीछे मुख्य कारण संवैधानिक अधिकारों के प्रति जनता के बीच फैली व्यापक जागरूकता है और यह देश के लोकतंत्र के लिए एक सुखद संकेत है। हालांकि पश्चिम बंगाल में होने वाले किसी भी चुनाव में मतदान का फीसद सामान्य तौर पर अन्य राज्यों के मुकाबले ज्यादा रहता है, लेकिन इस बार का आंकड़ा अगर इतना ऊंचा गया है, तो इसकी वजह वहां के राजनीतिक माहौल में प्रतिद्वंद्वी दलों के बीच आक्रामक खींचतान से पैदा हुआ उद्वेलन भी है, जिसने बहुत सारे लोगों को अपना वोट हर हाल में डालने को लेकर जागरूक किया। तमिलनाडु में भी कमोबेश स्थिति यही रही। दिलचस्प यह है कि इन दोनों राज्यों के चुनावी गणित में अब तक भाजपा का कोई खास प्रभाव नहीं रहा है, लेकिन इस बार के चुनाव प्रचार में योजनाबद्ध तरीके से इसने जिस स्तर का दखल दिया, उसमें यह विपक्षी पार्टियों के विरोध का केंद्र बन गई। इस क्रम में आक्रामक चुनाव प्रचार अभियानों का सीधा असर आम लोगों पर पड़ा, जिन्होंने अपने-अपने पक्ष के लिए मतदान में हिस्सेदारी को अपनी जिम्मेदारी माना। इसके अलावा, एक बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है। कि निर्वाचन आयोग ने चुनाव के पहले जिस तरह मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर का अभियान चलाया और अपात्र मतदाताओं के नाम काटने की प्रक्रिया चली, उसमें बड़ी संख्या में लोगों के बीच किसी भी स्थिति में सूची में कायम रहने को लेकर फिक्र पैदा हुई। यही वजह है कि एसआइआर की प्रक्रिया में मृत या है विस्थापित हो चुके और अन्य कारणों से अपात्र माने गए लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के बाद जो बचे रहे, उन्होंने इस बार पहले के मुकाबले वोट डालने को लेकर ज्यादा सजगता दिखाई। दरअसल, इस सूची में मौजूदगी सुनिश्चित होना और मताधिकार का उपयोग क भविष्य में नागरिक अधिकारों के समक्षत होने को लेकर एक आशंका से भी जुड़ा हो सकता है। इसके बावजूद यह कहा जा सकता है कि मतदान के लिए पात्र माने गए लोगों ने अगर भारी संख्या में घरों से निकल कर अपने मतदान के हक का इस्तेमाल किया, तो यह न केवल जनता के बीच व्यापक जागरूकता का संकेत है, बल्कि देश के लोकतंत्र के मजबूत होते जाने का सूचक भी है।

हादसों का सफर

इसमें दोराय नहीं कि विकास में पिछड़े देश के मैदानी क्षेत्रों से लेकर पहाड़ के दुर्गम इलाकों में भी अब सड़कों का जाल बिछ गया है, जिससे वहां का कठिन जनजीवन काफी हद तक आसान हो गया है। मगर सड़कों के निर्माण के साथ-साथ सुरक्षित सफर का पहलू भी बेहद महत्त्वपूर्ण है। इस मसले पर शासन-प्रशासन के दावों के बावजूद सड़क हादसे कम होने के बजाय बढ़ते जा रहे हैं। उत्तराखंड में टिहरी गढ़वाल जिले के चंबा क्षेत्र में बीते गुरुवार वाहन के गहरी खाई में गिरने से उसमें सवार आठ लोगों की मौत हो जाने की घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा में खामियों और जोखिम को उजागर किया है। सवाल है कि यातायात नियमों का कड़ाई से पालन, सड़कों की समुचित देखरेख और निर्माण में कमियों पर गंभीरता से ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा है ? क्या सिर्फ कागजों में योजनाओं और उपायों का खाका खींचने भर से सड़क दुर्घटनाएं कम हो जाएंगी ? इन्हें जमीनी स्तर पर प्रभावी तरीके से लागू करने की जिम्मेदारी किसकी है? गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने हाल में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को सड़क से सफर सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए थे। शीर्ष अदालत का यह कहना बेवजह नहीं था कि जिन खामियों को दुरुस्त किया जा सकता है, अगर उनकी वजह से सड़क हादसों में एक भी जान जाती है, तो यह संबंधित राज्य एवं प्राधिकरण की सुरक्षा जिम्मेदारी में कमी और लापरवाही को दर्शाता है। पहाड़ी राज्यों में तो भौगोलिक जटिलताओं की दृष्टि से सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम ज्यादा होता है और ऐसे में वहां हर स्तर पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत होती है। मगर शायद ही इस पर कोई विशेष ध्यान दिया जाता है और यही लापरवाही आए दिन पहाड़ी इलाकों में बड़ी दुर्घटनाओं का कारण बन रही है बुनियादी सुरक्षा सावधानियों की कमी, सड़कों पर अतिक्रमण, ज्यादा जोखिम वाली जगहों पर पैराफिट की मजबूत घेराबंदी एवं निगरानी का अभाव खतरे को और ज्यादा बढ़ा रहा है। ऐसे में जरूरी है कि केंद्र और राज्य सरकारें सड़क सुरक्षा को लेकर मजबूत एवं प्रभावी तंत्र विकसित करे, ताकि मानव जीवन की रक्षा हो सके।

नारी शक्ति वंदन बिल को लेकर सड़कों पर उतरी महिलाएं, रैली और मानव श्रृंखला बनाकर जताया विरोध

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं ने नारी शक्ति वंदन बिल को लेकर विरोध दर्ज कराते हुए शनिवार को शहर में रैली निकाली और मानव श्रृंखला बनाकर प्रदर्शन किया। इस दौरान विपक्षी दलों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई तथा Rahul Gandhi का पुतला भी जलाया गया।

प्रदर्शन की शुरुआत टाउन हॉल से हुई, जहां से 'नारी शक्ति आक्रोश रैली' निकाली गई। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाएं इसमें शामिल हुईं। हाथों में तख्तियां लिए महिलाओं ने टाउन हॉल से सूरजपोल तक पैदल मार्च किया और पूरे रास्ते उन राजनीतिक दलों के खिलाफ नारे लगाए, जिन्होंने संसद में इस बिल का विरोध किया है।

रैली के सूरजपोल पहुंचने पर महिलाओं ने एक-दूसरे का हाथ पकड़कर लंबी मानव श्रृंखला बनाकर एकजुटता का प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस और विशेष रूप से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ विरोध जताते हुए नारेबाजी की और पुतला दहन किया।

प्रदर्शनकारी महिलाओं का कहना था कि इस महत्वपूर्ण बिल का विरोध करना उनके अधिकारों के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल महिलाओं को सशक्त होते नहीं देखना चाहते, इसलिए इस बिल में बाधाएं डाली जा रही हैं।

कार्यक्रम में पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष अलका मुंदड़ा ने कहा कि जो दल नारी सम्मान की बात करते हैं, उन्होंने ही संसद में इस बिल का विरोध कर दोहरा रवैया अपनाया है। वहीं महिला मोर्चा की पूर्व शहर जिलाध्यक्ष कविता जोशी ने चेतावनी दी कि यदि महिलाओं के अधिकारों के साथ इसी तरह हस्तक्षेप किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

इनकी रही मौजूदगी:

जन आक्रोश महिला पदयात्रा में विभिन्न जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। इस दौरान गजपाल सिंह राठौड़, चुन्नीलाल गरासिया, फूलसिंह मीणा, डॉ. अलका मुंदड़ा सहित कई नेताओं ने पदयात्रा को रवाना किया। कार्यक्रम में महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कविता जोशी, पूर्व महापौर रजनी डांगी, किरण तातेड, सुषमा कुमावत, पारस सिंघवी, डॉ. पंकज बोराणा, देवीलाल सालवी, दिग्विजय श्रीमाली, बाबूलाल ओड, कोमल गहलोत, सोनिका जैन, विजयलक्ष्मी कुमावत, कन्हैया वैष्णव, रणजीत दिगपाल, अमृत मेनारिया, तुषार मेहता, अर्चना शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

इसके अलावा जिला उपाध्यक्ष करणसिंह शक्तावत, जगदीश शर्मा, जिला मंत्री सिद्धार्थ शर्मा, हजारी जैन, प्रकाश अग्रवाल, गिरीश शर्मा, अशोक शर्मा, जिला प्रवक्ता गोविंद दीक्षित, सुनील चौधरी, मोहन पटेल, मोहन मीणा, कमलेश शर्मा, मुकेश जोशी, राजमल चित्तौड़ा, सुनील व्यास, गजेंद्र अग्रवाल, लक्ष्मण मीणा, भगवतीलाल तेली, राकेश जैन, कृष्णकांत कुमावत, परविंदर सिंह देवड़ा, मनीष चौहान, रतन गांछा, गोपाल सालवी, दूल्हेसिंह देवड़ा, हिम्मत सिंह देवड़ा, राजकुमारी गन्ना, संतोष मेनारिया, सीमा साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पार्षद, पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए।

सांवलियाजी मंदिर में बदली परंपरा, अब 56 भोग और मोरपंख चढ़ाने पर रोक

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। सांवलियाजी मंदिर में बढ़ती श्रद्धालुओं की भीड़ और अव्यवस्था को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने पारंपरिक 56 भोग और मोरपंख चढ़ाने की व्यवस्था पर रोक लगा दी है। अब श्रद्धालु केवल भंडार में नकद राशि या सोना-चांदी जैसी भेंट ही अर्पित कर सकेंगे और दर्शन के लिए उन्हें खाली हाथ ही मंदिर में प्रवेश करना होगा। मंदिर मंडल अध्यक्ष हजारीदास वैष्णव के अनुसार हाल के समय में श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जिसके चलते भोग चढ़ाने की प्रक्रिया में काफी समय लगने लगा था। कई श्रद्धालु समूह में आकर गर्भगृह के सामने लंबे समय तक रुकते थे, जिससे कतारें लंबी हो जाती थीं और अन्य भक्तों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। विशेष रूप से 56 भोग लगाने में करीब एक घंटा लग जाता था, जिससे पूरे दिन की व्यवस्था प्रभावित होती थी। इसके अलावा मंदिर परिसर में गाजे-बाजे के साथ आने, नाच-गाने और भोग के बाद गार्डन क्षेत्र में फोटो-वीडियो बनाने जैसी गतिविधियों से भी भीड़ और अव्यवस्था बढ़ रही थी। कई बार इन बातों को लेकर विवाद की स्थिति भी बन जाती थी। ऐसे में मंदिर में शांति और अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रशासन ने यह कदम उठाया है। मंदिर प्रशासन ने नकली सामग्री को भी एक बड़ी समस्या बताया है। हाल के दिनों में नकली मावे से बनी मिठाइयां, कृत्रिम फूल और नकली मोरपंख बड़ी मात्रा में उपयोग किए जा रहे थे, जो धार्मिक भावनाओं और गुणवत्ता दोनों के लिहाज से उचित नहीं थे। इसी कारण इन सभी वस्तुओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। हालांकि इस फैसले पर श्रद्धालुओं की मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आई है। कुछ लोग इसे व्यवस्था सुधारने की दिशा में जरूरी कदम मान रहे हैं, जबकि कुछ श्रद्धालु भोग चढ़ाने के लिए अलग व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। फिलहाल प्रशासन ने प्रसाद के लिए अलग काउंटर शुरू किए हैं और विशेष भोग के लिए आरती के बाद रसीद आधारित व्यवस्था लागू की गई है।

कानोड़ क्षेत्र में बेमौसम बारिश से शादी समारोहों में खलल, तेज आंधी से बिजली भी ठप

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 25 अप्रैल। कानोड़ क्षेत्र में शनिवार शाम अचानक मौसम बदलने से तेज हवाओं के साथ बेमौसम बारिश ने जनजीवन और खासकर शादी-समारोहों को प्रभावित कर दिया। दिनभर की भीषण गर्मी के बाद आए इस बदलाव से जहां तापमान में गिरावट दर्ज की गई, वहीं वैवाहिक कार्यक्रमों में अव्यवस्था फैल गई। शादी के सीजन के चलते कस्बे सहित राजपुरा, पीथलपुरा, गौड़ों का खेड़ा, रेलवे स्टेशन क्षेत्र और आसपास के ग्रामीण इलाकों में कई मांगलिक आयोजन चल रहे थे। अचानक आई तेज बारिश और धूलभरी आंधी से टेंट, सजावट और व्यवस्थाएं अस्त-व्यस्त हो गईं, जिससे आयोजकों और मेहमानों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। मौसम के इस बदलाव के दौरान तेज हवाओं के कारण बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई। कई क्षेत्रों में अचानक बिजली गुल हो गई, जिससे अंधेरा छा गया और शादी समारोहों में व्यवधान उत्पन्न हो गया। हालांकि, इस बारिश से गर्मी से कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन बेमौसम बारिश ने लोगों की तैयारियों पर पानी फेर दिया और आयोजन स्थल अव्यवस्थित हो गए।

महालक्ष्मी ज्वैलर्स के बाहर चाकूबाजी का 24 घंटे में खुलासा: निम्बाहेड़ा से आरोपी गिरफ्तार, वारदात में प्रयुक्त चाकू-बाइक बरामद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 25 अप्रैल। उदयपुर पुलिस ने धानमंडी थाना क्षेत्र में ज्वेलर पर हुए चाकू हमले की सनसनीखेज वारदात का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को निम्बाहेड़ा से दबोचकर उसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त चाकू और मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में की गई। पूरे ऑपरेशन का सुपरविजन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) उमेश कुमार ओझा तथा वृताधिकारी (नगर पश्चिम) राजेश कुमार यादव ने किया।

थानाधिकारी भंवरलाल माली के नेतृत्व में गठित टीम ने प्रकरण संख्या 33/2026 धारा 118(1), 126(2), 351(2) बीएनएस के तहत दर्ज मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मोहम्मद अयान उर्फ आडू (20) पुत्र मोहम्मद सिद्दीकी, निवासी कुंजरवाड़ी, मुखर्जी चौक (धानमंडी) हाल निवासी पलोदड़ा हाउस के पीछे, सविना को गिरफ्तार किया।

सीसीटीवी और मुखबिर से मिली सफलता

पुलिस के अनुसार 24 अप्रैल को चौखला बाजार स्थित महालक्ष्मी ज्वैलर्स के बाहर हुई घटना के बाद टीम ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों के साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। इसके आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे निम्बाहेड़ा से डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि ज्वेलर धर्मेश सोनी दुकान के बाहर हाथ धो रहा था, तभी वहां से गुजर रहे आरोपी पर पानी के छींटे पड़ गए। इसी बात को लेकर विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए पहले मारपीट की, फिर पीड़ित को सड़क पर घसीट दिया और अंत में चाकू निकालकर हमला कर दिया, जिससे ज्वेलर घायल हो गया। घटना के दौरान आसपास लोगों की भीड़ जुटने लगी, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया था।

टीम की अहम भूमिका

इस कार्रवाई में थानाधिकारी भंवरलाल माली के साथ सहायक उपनिरीक्षक कैलाश चन्द्र, कांस्टेबल कवयुन (विशेष भूमिका), महेन्द्र (विशेष भूमिका) और जालिम सिंह की अहम भागीदारी रही। साथ ही कार्रवाई में कांस्टेबल महेन्द्र और कयूम की विशेष भूमिका भी रही, जिनकी सक्रियता से आरोपी तक पहुंच संभव हो सकी। पुलिस ने बताया कि आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है और मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

सोशल मीडिया पर हथियार लहराने वाला गिरफ्तार, बालक डिटेन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 25 अप्रैल। उदयपुर पुलिस ने सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो अपलोड कर आमजन में भय का माहौल बनाने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि एक विधि से संघर्षरत बालक को डिटेन किया गया है। कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। अभियान का उद्देश्य सोशल मीडिया पर सक्रिय हिस्ट्रीशीटर, हार्डकोर अपराधियों और आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों द्वारा हथियारों के प्रदर्शन पर रोक लगाना है। कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) उमेश ओझा और वृताधिकारी (नगर पूर्व) सूर्यवीर सिंह के सुपरविजन में की गई। थानाधिकारी पूरण सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने सोशल मीडिया पर लगातार निगरानी रखते हुए आरोपी की पहचान की। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी हीरालाल (24) पुत्र रामलाल, निवासी ढीकली वाड़ा, थाना प्रतापनगर, धारदार चाकू और तलवार के साथ फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। साथ ही एक विधि से संघर्षरत बालक को अवैध तलवार के साथ डिटेन किया गया है। पुलिस ने बताया कि इस प्रकार के कृत्य से आमजन में भय का माहौल बनता है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में टीम प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार सिंह के साथ सहायक उपनिरीक्षक सुनील कुमार और अमर सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम में कांस्टेबल राजूराम (2033), रामस्वरूप (314), वीरेंद्र सिंह (192) और अर्जुन सिंह (762) भी शामिल रहे।

डकैती कांड में बड़ी गिरफ्तारी: 2 साल से फरार 2 हजार का इनामी आरोपी ओगणा पुलिस के हत्थे चढ़ा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 25 अप्रैल। जिले में वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत उदयपुर पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। ओगणा थाना पुलिस ने डकैती के मामले में दो साल से फरार चल रहे 2 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में की गई। ऑपरेशन का सुपरविजन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (खेरवाड़ा) अंजना सुखवाल और वृताधिकारी झाड़ोल विवेक सिंह द्वारा किया गया। थानाधिकारी रामरूप मीना के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी सवा उर्फ हवा उर्फ श्रवण कुमार (20) पुत्र माना, निवासी नाहर, थाना माण्डवा, जिला उदयपुर को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट भी जारी था और उसकी गिरफ्तारी पर 2 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को एसीजेएम कोर्ट झाड़ोल में पेश कर पीसी रिमांड प्राप्त किया गया है। पुलिस आरोपी से मामले में विस्तृत पूछताछ कर रही है तथा फरार अन्य आरोपियों के ठिकानों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। लगातार प्रयासों के बावजूद गिरफ्तारी नहीं होने पर न्यायालय से स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी करवाए गए और जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रत्येक आरोपी पर 2-2 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इस कार्रवाई में हैड कांस्टेबल किशनलाल और कांस्टेबल हिम्मत राम की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्कूलों के पास तंबाकू सामग्री बेचने पर दो कार्रवाई, दो आरोपी पकड़े गए

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पुलिस ने स्कूलों के आसपास धूम्रपान/तंबाकू सामग्री बेचने के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में प्रकरण दर्ज किए हैं। डबोक थाना क्षेत्र में प्रकरण संख्या 104/2026 के तहत राजस्थान धूम्रपान अधिनियम की धारा 9/11 में मामला दर्ज किया गया। जांच में सामने आया कि ओडवाडिया क्षेत्र में एक स्कूल के पास आरोपी द्वारा धूम्रपान सामग्री बेची जा रही थी। इस मामले में कन्हैयालाल (62) पुत्र धना डांगी, निवासी ओडवाडिया थाना डबोक को आरोपी बनाया गया है। प्रकरण में रिपोर्ट हेड कांस्टेबल ललित द्वारा दर्ज करवाई गई है तथा जांच हेड कांस्टेबल भैरूलाल द्वारा की जा रही है।

इसी प्रकार गोगुंदा थाना क्षेत्र में प्रकरण संख्या 156/2026 के तहत धूम्रपान अधिनियम की धारा 9/11 में मामला दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार महात्मा गांधी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पास 100 मीटर की परिधि में तंबाकू सामग्री बेची जा रही थी। इस मामले में भरूसिंह (30) पुत्र किसनसिंह राजपूत, निवासी गोगुंदा को आरोपी बनाया गया है। प्रकरण में रिपोर्ट सहायक उप निरीक्षक गोविंद सिंह द्वारा दर्ज करवाई गई है तथा जांच हेड कांस्टेबल लोगर द्वारा की जा रही है। पुलिस ने दोनों मामलों में कार्रवाई करते हुए जांच शुरू कर दी है।

कार रुकवाकर तोड़फोड़ व मारपीट, छह आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

फतहनगर। उदयपुर पुलिस के फतहनगर थाना क्षेत्र में कार रुकवाकर तोड़फोड़ और मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में छह आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार प्रकरण संख्या 84/2026 में धारा 115(2), 126 तथा 190, 191(2), 324(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। घटना आळेगणा का खेड़ा क्षेत्र की है, जहां आरोपियों ने प्रार्थी के भाई फुलचंद कुमावत और उसके साथी फतहसिंह की कार को रुकवाया, उसके साथ तोड़फोड़ की तथा दोनों के साथ मारपीट कर चोटें पहुंचाई। प्रकरण में परिवादी मुकेश गोपीलाल कुमावत (28) निवासी आळेगणा का खेड़ा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले में मिठ्ठूलाल, नाथूलाल कुमावत सहित अन्य आरोपी, सभी निवासी आळेगणा का खेड़ा, फतहनगर को नामजद किया गया है। मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक कालूलाल द्वारा की जा रही है। पुलिस पूरे प्रकरण में अग्रिम अनुसंधान कर रही है।

धारदार चाकू लेकर आमजन में भय फैलाने का आरोप, एक गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर पुलिस के अम्बामाता थाना क्षेत्र में आमजन में भय पैदा करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार प्रकरण संख्या 186/2026 में आम्र्स एक्ट की धारा 4/25 के तहत मामला दर्ज किया गया। घटना मस्तान बाबा रोड क्षेत्र की है, जहां आरोपी धारदार चाकू अपने कब्जे में रखकर आमजन में भय उत्पन्न कर रहा था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपी उस्मान गनी (43) पुत्र अब्दुल फरीद, निवासी लालमगरी (थाना अम्बामाता) को गिरफ्तार किया है। प्रकरण में रिपोर्ट सहायक उप निरीक्षक रणजीत सिंह द्वारा दर्ज करवाई गई है, जबकि मामले की जांच हेड कांस्टेबल भरत सिंह द्वारा की जा रही है। पुलिस मामले में अग्रिम अनुसंधान कर रही है।

देवाली चौराहे से मोटरसाइकिल चोरी, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर पुलिस के अम्बामाता थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार प्रकरण संख्या 185/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत दर्ज मामले में परिवादी भोपाल सिंह (47) पुत्र भरत सिंह, निवासी 108 ए-ब्लॉक, सेक्टर-14 (थाना सविना) ने रिपोर्ट दी कि 17 अप्रैल की शाम देवाली चौराहा क्षेत्र से उसकी मोटरसाइकिल अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। प्रकरण की जांच हेड कांस्टेबल रामप्रसाद द्वारा की जा रही है।

स्वराज नगर माछला मगरा से गाड़ी चोरी, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर पुलिस के सूरजपोल थाना क्षेत्र में खड़ी वाहन चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार प्रकरण संख्या 149/2026 धारा 303(2) बीएनएसएस के तहत दर्ज मामले में परिवादी हर्षित सिंह डोडिया (20) पुत्र शंभूसिंह डोडिया, निवासी गली नं. 6, पिपली चौक, गारियावास (थाना हिरणमगरी) ने रिपोर्ट दी कि उसने 16 अप्रैल की रात करीब 10 बजे अपनी गाड़ी स्वराज नगर, माछला मगरा क्षेत्र में खड़ी की थी। सुबह करीब 6 बजे देखने पर गाड़ी मौके से गायब मिली। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रकरण की जांच हैड कांस्टेबल गणेशलाल द्वारा की जा रही है।

11 साल बाद शिकंजा: ईनोवा से लूट का फरार आरोपी जोधपुर से गिरफ्तार, पहले ही 6 आरोपी जा चुके जेल, अब मास्टरमाइंड पकड़ा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 25 अप्रैल। जिले में वर्षों पुराने मामलों को सुलझाने के अभियान के तहत उदयपुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। गोगुन्दा थाना पुलिस ने 11 साल पुराने लूटकांड में फरार चल रहे आरोपी को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में चलाए जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत की गई। पूरे ऑपरेशन की मॉनिटरिंग अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा और वृत गिर्वा के पुलिस उप अधीक्षक गोपाल चंदेल द्वारा की गई।

पुलिस के अनुसार, 11 साल पहले ईनोवा कार में सवार बदमाशों ने नगदी और कीमती सामान से भरी गाड़ी को निशाना बनाते हुए लूट की वारदात को अंजाम दिया था। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया था और लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहा था।

गोगुन्दा थानाधिकारी श्याम सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी और मुखबिर सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी मालाराम (63) पुत्र गोर्वधनराम, निवासी फिटकासनी, बाबलो का बास, थाना कुड़ी भगतासनी जिला जोधपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की और बाद में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी पिछले कई वर्षों से अपनी पहचान छिपाकर इधर-उधर ठिकाने बदल रहा था, जिससे उसकी गिरफ्तारी चुनौती बनी हुई थी।

इस प्रकरण में पुलिस पहले ही 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज चुकी है, लेकिन मुख्य आरोपी मालाराम लंबे समय से फरार था। उसकी गिरफ्तारी के बाद अब इस बहुचर्चित लूटकांड की कड़ियां और खुलने की संभावना जताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर पीसी रिमांड पर लिया गया है, जहां उससे वारदात में शामिल अन्य पहलुओं और संभावित साथियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। पूरी कार्रवाई में हैड कांस्टेबल जालम सिंह की विशेष भूमिका रही, जबकि कांस्टेबल सत्यनारायण और कांस्टेबल राजेंद्र कुमार ने भी टीम के साथ मिलकर अहम योगदान दिया।

5 साल से फरार आर्म्स एक्ट का आरोपी गिरफ्तार: खेरोदा पुलिस की कार्रवाई, गांव से दबोचा अपराधी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 25 अप्रैल। वांछित अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियान में उदयपुर पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। खेरोदा थाना पुलिस ने आर्म्स एक्ट के एक मामले में पिछले 5 वर्षों से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में की गई। ऑपरेशन का सुपरविजन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (खेरवाड़ा) अंजना सुखवाल और वल्लभनगर वृताधिकारी राजेन्द्र सिंह जैन द्वारा किया गया। थानाधिकारी सुरेश विश्नोई के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आसूचना और तकनीकी सहयोग के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी सोनु पुत्र धनराज, निवासी भादसोड़ा, जिला चित्तौड़गढ़ को गांव से डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ प्रकरण संख्या 78/2021 में धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज था। घटना के बाद से ही वह फरार चल रहा था और लगातार अपनी लोकेशन बदलकर गिरफ्तारी से बचने का प्रयास कर रहा था। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने लंबे समय से आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी हुई थी। आखिरकार पुख्ता सूचना मिलने पर टीम ने गांव भादसोड़ा में दबिश देकर आरोपी को हिरासत में लिया और पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस आरोपी से अवैध हथियारों के नेटवर्क और संभावित अन्य साथियों के बारे में पूछताछ कर रही है। मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है। पूरी कार्रवाई में हैड कांस्टेबल प्रदीप सिंह, कांस्टेबल रामदेव और कांस्टेबल कुलदीप की अहम भूमिका रही।

साइबर ठगी का बड़ा खुलासा: म्यूल अकाउंट खरीदकर करोड़ों की ठगी करने वाला 5 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 25 अप्रैल। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में उदयपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। झाड़ोल थाना पुलिस ने म्यूल अकाउंट के जरिए साइबर ठगी के नेटवर्क से जुड़े 5 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में चलाए जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत की गई। पूरे ऑपरेशन की निगरानी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (खेरवाड़ा) अंजना सुखवाल और वृताधिकारी झाड़ोल विवेक सिंह द्वारा की गई। थानाधिकारी फैलीराम मीणा के नेतृत्व में गठित टीम ने आसूचना और तकनीकी सहयोग के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी तोसिफ खान पठान (29) पुत्र अफजल खान, निवासी कजोड़पुरा, ज्ञान दीप पब्लिक विद्यालय के पास, थाना शंभूपुरा जिला चित्तौड़गढ़ को डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी साइबर ठगी के लिए बैंक खातों (म्यूल अकाउंट) की खरीद-फरोख्त करता था और इन्हीं खातों के माध्यम से ठगी की राशि ट्रांसफर करवाई जाती थी। आरोपी की गिरफ्तारी पर 5 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार, यह मामला प्रकरण संख्या 159/2025 धारा 420 और 120-बी आईपीसी से जुड़ा हुआ है। इस केस में पुलिस पहले ही दो अन्य आरोपियों—विक्रम सिंह और विशाल (दोनों निवासी कोल्यारी, थाना फलासिया, उदयपुर)—को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी एक सक्रिय साइबर अपराधी है और उससे पूछताछ में अन्य कई साइबर ठगी के मामलों के खुलासे होने की संभावना है। इस पूरी कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक सतीश चंद्र, कांस्टेबल बालकृष्ण, जीवन सिंह और जितेंद्र गवारिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

17 क्विंटल डोडा पोस्त जब्त, गेहूं की आड़ में तस्करी का भंडाफोड़

24 न्यूज अपडेट

जयपुर/अजमेर, 25 अप्रैल। राजस्थान पुलिस के 'नशा मुक्त अभियान' के तहत अजमेर पुलिस ने इस वर्ष की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए 17 क्विंटल से अधिक अवैध अफीम डोडा पोस्त जब्त किया है। पुलिस ने गेहूं के कट्टों की आड़ में की जा रही इस तस्करी का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई महानिरीक्षक पुलिस अजमेर रेंज राजेन्द्र सिंह और पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशन में की गई। पुलिस के अनुसार, नसीराबाद सदर थाना पुलिस ने एनएच-48 पर दिलवाड़ी पुलिया के पास नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध ट्रेलर (RJ 01 GB 9453) को रुकवाया। थानाधिकारी अशोक बिशु के नेतृत्व में टीम ने ट्रेलर की तलाशी ली तो ऊपर 677 कट्टों में गेहूं भरा हुआ मिला, जिससे किसी को शक न हो। हालांकि, पुलिस ने जब गहन जांच की तो गेहूं के कट्टों के नीचे छिपाए गए 86 प्लास्टिक के कट्टे बरामद हुए, जिनमें कुल 17 क्विंटल 27 किलो 48 ग्राम डोडा पोस्त भरा हुआ था। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ 60 लाख रुपये बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से ट्रेलर को जब्त करते हुए दो तस्करों—गणेश बैरवा (23) और चेतन बैरवा (21), निवासी आजाद नगर, फुलिया कला, जिला भीलवाड़ा—को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत मामला दर्ज किया गया है। विस्तृत जांच पारुल यादव द्वारा की जा रही है। इस बड़ी कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मील और वृत्ताधिकारी कृष्ण कुमार का प्रभावी सुपरविजन रहा। टीम में हैड कांस्टेबल महेन्द्र टांडी, कांस्टेबल कल्याण, रवि, अर्जुन, लाल सिंह, महिपाल, सूरज, घासीराम, हिम्मत और राजेन्द्र सहित अन्य जवानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बड़ी मात्रा में नकली एप्पल एक्सेसरीज जब्त, आरोपी नामजद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर पुलिस ने कॉपीराइट/ट्रेडमार्क उल्लंघन के एक मामले में कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में नकली मोबाइल एक्सेसरीज जब्त की हैं। मामला सूरजपोल थाना क्षेत्र का है, जहां बापू बाजार में छापेमारी के दौरान ब्रांडेड कंपनी के नाम पर बेचे जा रहे उत्पादों का खुलासा हुआ। पुलिस के अनुसार प्रकरण संख्या 148/2026 में धारा 318(4) बीएनएस 2023 तथा ट्रेड मार्क अधिनियम 1999 की धारा 103, 104 के तहत मामला दर्ज किया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस को एप्पल कंपनी के लोगो (प्रतीक चिन्ह) लगे हुए 7 चार्जिंग केबल और 339 आईफोन बैक कवर बरामद हुए। मौके पर मौजूद कंपनी के प्रतिनिधि संदीप तंवर ने बताया कि जब्त सामग्री असली नहीं है, बल्कि एप्पल कंपनी के उत्पादों की नकल कर उस पर कंपनी का ट्रेडमार्क लगाकर तैयार की गई है। मामले में जोरा राम पिता मांगा राम चौधरी (31) निवासी बीएसएनएल ऑफिस रोड, सेक्टर-4, हिरणमगरी, उदयपुर को नामजद किया गया है। मामले की जांच अधिकारी उप निरीक्षक लादूराम द्वारा की जा रही है। मामला दिनेश पाटीदार उनि थाना सूरजपोल की ओर से दर्ज कराया गया है। पुलिस पूरे नेटवर्क की पड़ताल में जुटी है।

CRIME NEWS

साइबर ठगी के दो मामलों में कार्रवाई: म्यूल अकाउंट व खातों की खरीद-फरोख्त का खुलासा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर पुलिस के साइबर थाना में दर्ज दो अलग-अलग प्रकरणों में साइबर ठगी से जुड़े मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार साइबर थाना में प्रकरण संख्या 28/2026 धारा 316(2), 318(4) बी.एन.एस. 2023 के तहत दर्ज मामले में जांच के दौरान सामने आया कि फरवरी 2025 के दौरान सूरजपोल क्षेत्र में आरोपी द्वारा अपने स्वयं के बैंक खाते को साइबर ठगी की राशि ट्रांसफर करवाने एवं प्राप्त करने के लिए उपलब्ध कराया गया। इस मामले में तरुण चौहान (26) पुत्र श्री पुरुषोत्तम लाल चौहान, निवासी 316/ए, किशनपोल, खांजीपीर, उदयपुर को नामजद किया गया है। प्रकरण में परिवादी लक्ष्यराज सिंह, कांस्टेबल साइबर थाना उदयपुर हैं तथा जांच पुनि सुखदेव सिंह द्वारा की जा रही है। इसी प्रकार साइबर थाना में दर्ज प्रकरण संख्या 29/2026 में धारा 316(2), 318(4) बी.एन.एस. 2023 के तहत सामने आया कि 24 अप्रैल 2026 को उदयपुर शहर के केशव नगर क्षेत्र में आरोपी द्वारा साइबर ठगी को अंजाम देने के लिए अन्य व्यक्तियों के बैंक खाते खरीदने एवं बेचने का कार्य किया जा रहा था। इस मामले में ध्रुव सुहालका (23) पुत्र श्री इंद्रप्रकाश सुहालका, निवासी गुलशन नगर, मल्लातलाई को नामजद किया गया है। प्रकरण में परिवादी अनिल कुमार, कांस्टेबल साइबर थाना उदयपुर हैं तथा जांच पुनि रामनिवास द्वारा की जा रही है।

युवक का अपहरण कर मारपीट, तीन नामजद सहित अन्य पर मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

वल्लभनगर। उदयपुर पुलिस के वल्लभनगर थाना क्षेत्र में युवक के अपहरण और मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में तीन नामजद सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार प्रकरण संख्या 53/2026 धारा 140(3), 115(2), 189(2) बी.एन.एस. के तहत 24 अप्रैल 2026 को मामला दर्ज किया गया। रिपोर्ट के अनुसार 23 अप्रैल की रात वल्लभनगर क्षेत्र में परिवादी के पुत्र का आरोपियों द्वारा अपहरण कर उसके साथ मारपीट की गई। प्रकरण में परिवादी किशन लाल प्रजापत (40) पुत्र लोगर जी प्रजापत, निवासी वल्लभनगर ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले में दीपक माली, किशन माली व पूरण माली सहित अन्य आरोपियों को नामजद किया गया है। मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक महेंद्र कुमार द्वारा की जा रही है। पुलिस पूरे प्रकरण में अग्रिम अनुसंधान कर रही है।

जीप की छत पर बैठी थी 5 सवारियां, चालक के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा। उदयपुर पुलिस के खेरवाड़ा थाना क्षेत्र में ओवरलोडिंग और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार प्रकरण संख्या 126/2026 धारा 281, 125 बीएनएस के तहत दर्ज मामले में सामने आया कि करनाउवा रोड पर एक मैक्स जीप (नंबर GJ 09 M 4359) का चालक वाहन में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर, कुछ को अंदर व 5 को तो छत पर बैठाकर, लापरवाहीपूर्वक वाहन चला रहा था। इस दौरान वाहन को लहराते हुए चलाया गया, जिससे सवारियों की जान जोखिम में पड़ गई और मानव जीवन के लिए खतरा उत्पन्न हुआ। मामले में चालक रविप्रकाश (28) पुत्र शांतिलाल परमार, निवासी महवाड़ा, कल्याणपुर के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। प्रकरण में रिपोर्ट सहायक उप निरीक्षक किशोर कुमार, थाना खेरवाड़ा द्वारा दर्ज करवाई गई है, जबकि मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक ईश्वरचंद द्वारा की जा रही है। पुलिस पूरे मामले में अग्रिम अनुसंधान कर रही है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

पिघला देने वाली गर्मी में रैलियां और विरोध प्रदर्शन!!! नेतागिरी और अफसरशाही की लगता है मर गई हैं संवेदनाएं???

24 न्यूज अपडेट

मौसम विभाग कई दिनों से चेतावनी दे रहा है कि इन दिनों गर्मी पिघला देने वाली है। एक्सट्रीम हीट डोम कंडीशन बन रही है, जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकलें। बाहर निकलना पड़े तो भी ज्यादा देर धूप में रहने से परहेज करें, बार-बार शीतल पेय पदार्थ का सेवन करें। पुरुषों के साथ महिलाओं को खास हिदायतें दी जा रही हैं कि वे अपना ज्यादा ध्यान रखें। बच्चों का ख्याल करें, उन्हें तेज धूप में बाहर नहीं जाने दें। बुजुर्गों को सबसे ज्यादा खतरा है।

देशभर में जहां-जहां हीट डोम यानी कि तगड़ी गर्मी का असर है, वहां-वहां कई जिलों में स्कूलों का समय बदल गया है ताकि बच्चे तेज धूप से पहले ही घर वापस पहुंच जाएं। मगर इन सबके बीच हमारे नेता, हमारे खेवनहार अफसर लगता है किसी दूसरी ही दुनिया में जी रहे हैं। उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता कि तापमान किस जानलेवा सीमा रेखा को पार करता जा रहा है। उन्हें तो बस अपना उल्लू सीधा करने से मतलब दिखाई देता है। अपने हितों के लिए वे किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। साथी, समर्थकों, समाजजनों, शुभचिंतकों आदि को आग की भट्टी में झोंकने को तैयार हैं।

एक तरफ मौसमी चेतावनियां दी जा रही हैं, तो दूसरी तरफ भरी दुपहरी में बड़ी-बड़ी रैलियां निकल रही हैं, प्रदर्शन किए जा रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाओं की भी भागीदारी दिखाई दे रही है। इनकी परमिशन वही प्रशासन दे रहा है, जो लोगों को हीट वेव के बारे में सावधान करते हुए यह कह रहा है कि जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर कदम रखें। अफसर एसी कमरों में बैठे हीट वेव पर चिंतन कर रहे हैं और कागजी आदेश जारी कर रहे हैं।

दूसरी तरफ नेताओं व कुछ धार्मिक-सामाजिक संगठनों को लगता है कि इस दुनिया में उनके अलावा और किसी के पास न बुद्धि है, न सोचने-समझने की ताकत और संवेदनशीलता। जनता के एक वर्ग को उन्होंने लगभग अपना गुलाम बनाकर रख दिया है, जिसका उपयोग वे जब चाहें तब कर सकते हैं। रैलियां, विरोध प्रदर्शन, धरने, पुतला दहन आदि लोकतंत्र में विरोध के आजमाए हुए सर्वस्वीकार्य तरीके हैं। लेकिन इतनी गर्मी में ऐसे प्रदर्शन करना, ऐसी रैलियां और ऐसा शक्ति प्रदर्शन कौन-सी बुद्धिमानी है? बुद्धिमानी है या फिर महा मूर्खता की निशानी? हमारे आस-पास ही दिखाई दे रहा है कि गांव-देहातों से वाहनों में लोगों को भर-भर कर लाया जा रहा है और संख्या बल दिखाते हुए भरी दुपहरी में प्रदर्शन हो रहे हैं। लंबी पैदल रैलियां निकल रही हैं, जिनमें प्रदर्शन करने वाले लोग पसीना-पसीना हो रहे हैं। समझ नहीं आता कि इतनी गर्मी में यह सब करके नेता और अन्य संगठन आखिर हासिल क्या कर लेंगे? विरोध करने या अपने किसी मुद्दे को सड़क के माध्यम से कहने के तरीकों को अब बदलने का वक्त आ गया है। विरोध भी मौसम व समय के अनुकूल होना चाहिए।

जिन जिलों में भरी दुपहरी में रैलियां, प्रदर्शन हो रहे हैं, जुलूस निकल रहे हैं, वहां का जिला प्रशासन आखिर क्या कर रहा है? वह ऐसे आयोजनों की परमिशन ही क्यों दे रहा है, जिसमें लू लगने से किसी की जान जाने का जोखिम है? क्या प्रशासनिक अधिकारियों में इतना भी रीढ़ की हड्डी सीधी रखने का साहस नहीं बचा है कि लालची, अवसरवादी और लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने पर आमादा नेताओं व संगठनों से दो टूक कह सकें कि यह सब नहीं चलेगा? अगर कोई मर गया तो कौन जिम्मेदार होगा?

इन सबके बीच जो लोग ऐसे संगठनों के बहकावे में आकर जानलेवा धूप के दौरान किसी रैली, प्रदर्शन, धरने का हिस्सा बन रहे हैं, वे खुद भी यह अवश्य सोच लें कि इतिहास गवाह है—अगर आपके स्वास्थ्य को कुछ हो गया, तो कोई भी संगठन जीवन भर आपकी सेवा करने नहीं आएगा। नेताओं, संगठनों का हित सधते ही वे कैसे मुंह मोड़कर किनारा करते हैं, इसके उदाहरण इतिहास में भरे पड़े हैं। इसलिए भलाई इसी में है कि ऐसे आयोजनों को करने वालों को दूर से ही नमस्कार कर उनकी असलियत समझ ली जाए।

डॉक्टर कहते हैं कि ऐसी कड़ी धूप में 10–15 मिनट से ज्यादा रहना खतरनाक हो सकता है, मगर यहां तो घंटों लंबी रैलियां, जुलूस, प्रदर्शन, मानव श्रृंखलाएं मानो सूरज से सीधा कोई नूरा-कुश्ती वाला मुकाबला चल रहा हो कि कौन ज्यादा तपेगा। और इस मुकाबले में जनता का एक वर्ग आखिर मोहरा क्यों बने? यह अधिकारों की लड़ाई, हक की लड़ाई और पॉलिटिकल आइडियोलॉजी की लड़ाई नहीं, बल्कि भोल-भाले लोगों को बहकाने की लड़ाई है—भाड़ में झोंकने की लड़ाई, जिसके हम सब मूक दर्शक बन बैठे हैं।

विडंबना देखिए—असली आग आसमान से बरस रही है, लेकिन गुस्सा पुतलों पर उतारा जा रहा है। विडंबना देखिए, देश पेट्रोल-डीजल की किल्लत सह रहा है, मगर यहां गर्मी में वाहन रैलियां निकाली जा रही हैं—केवल झूठी शान दिखाने के मकसद से शक्ति प्रदर्शन हो रहे हैं। यह कहीं न कहीं सीधे-सीधे राष्ट्रीय चेतना पर भी आघात करने जैसा है।

इन सबके बीच सवाल सीधा और असहज करने वाला है—45 डिग्री के तापमान में जो आवाज उठाई जा रही है, वह हक की है या फरेब में लिपटे हठ की? क्योंकि सूरज को न विपक्ष से फर्क पड़ता है, न पक्ष से—वह तो बस तपता है। फर्क पड़ता है तो उस आम इंसान को, जो नारा भी लगाता है और चक्कर भी खाता है। और बाद में घनचक्कर होकर इन्हीं नेताओं और संगठनों के चारों तरफ अपना छोटा-मोटा काम करवाने के लिए गुलामी वाली परिक्रमा करता है। इसलिए विचार कीजिए और ऐसा करने वालों पर लानत भेजिए।

राज्यपाल बागड़े ने पंजाब के राज्यपाल कटारिया को लिखा पत्र कहा - पंजाब की फैक्ट्रियों से केमिकल युक्त पानी गंगानगर और हनुमानगढ़ आ रहा!!

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि पंजाब की फैक्ट्रियों से निकलने वाला केमिकल युक्त पानी राजस्थान के गंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों तक पहुंच रहा है, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की बड़ी वजह बन सकता है। उन्होंने इस संबंध में पंजाब के राज्यपाल को पत्र लिखकर चिंता भी जताई है।

राज्यपाल बागड़े भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल में आयोजित 23वें कैंसर सर्वाइवर्स डे कार्यक्रम में महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सी. पी. राधाकृष्णन भी मौजूद रहे।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने अपने संबोधन में कहा कि कैंसर से बचाव के लिए समय पर जांच (अर्ली डिटेक्शन) सबसे महत्वपूर्ण है। समय रहते बीमारी का पता चलने पर उपचार अधिक प्रभावी हो सकता है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार कैंसर उपचार को लेकर गंभीर है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

उन्होंने जानकारी दी कि देशभर में 450 से अधिक डे-केयर सेंटर संचालित हो रहे हैं और एंटी कैंसर दवाओं को आयुष्मान आरोग्य योजना से जोड़ा जा रहा है, जिससे आमजन को राहत मिलेगी। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए फरवरी से टीकाकरण कार्यक्रम भी शुरू किया गया है, जो भविष्य में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा।

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि अब आधुनिक तकनीकों और बेहतर इलाज के चलते कैंसर पर काफी हद तक काबू पाया जा सकता है। जैसे टीबी मुक्त राजस्थान का लक्ष्य तय किया गया है, उसी तरह कैंसर मुक्त राजस्थान का लक्ष्य भी निर्धारित किया जाना चाहिए। उन्होंने शुद्ध पानी की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि दूषित पानी कैंसर का बड़ा कारण बन सकता है। कार्यक्रम में चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने बताया कि राज्य में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 35 हजार करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। प्रदेश में 60 हजार मेडिकल नियुक्तियों की घोषणा की गई है, जिनमें से 25 हजार पदों पर नियुक्ति हो चुकी है। उन्होंने बताया कि केंद्र की योजनाओं के तहत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 68 लाख से अधिक मरीजों को 13 हजार करोड़ रुपए का लाभ मिला है। वहीं नेशनल हेल्थ मिशन के तहत कैंसर स्क्रीनिंग के लिए नियमित सर्वे भी किए जा रहे हैं।

27वें विश्व पशुचिकित्सा दिवस पर जनस्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण पर व्यापक मंथन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 25 अप्रैल। जिले में शनिवार को विश्व पशुचिकित्सा दिवस उत्साह, सहभागिता और जागरूकता के माहौल में मनाया गया। मेवाड़ पशुचिकित्सक संघ उदयपुर के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में जिलेभर के पशुचिकित्सकों ने अपने परिवारों के साथ भाग लेकर आयोजन को यादगार बना दिया। संघ के अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र शुक्ला ने बताया कि प्रतिवर्ष अप्रैल माह के अंतिम शनिवार को यह दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम "पशुचिकित्सकः भोजन और स्वास्थ्य के संरक्षक" रखी गई, जो वर्तमान समय में पशु और मानव स्वास्थ्य के बीच गहरे संबंध को रेखांकित करती है। महासचिव डॉ. रविन्द्र गोयल ने जानकारी दी कि कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने पशुचिकित्सकों की भूमिका को समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वे न केवल पशुओं के स्वास्थ्य के संरक्षक हैं, बल्कि मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा में भी प्रथम रक्षा पंक्ति के रूप में कार्य करते हैं। कार्यक्रम में संक्रामक रोगों की रोकथाम, पशुजन्य रोगों के नियंत्रण, खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने, एंटीबायोटिक के विवेकपूर्ण उपयोग, पर्यावरण संरक्षण तथा पशु अपशिष्टों के वैज्ञानिक प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा और विचार-विमर्श किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि इन सभी पहलुओं में पशुचिकित्सकों की भूमिका सीधे तौर पर जनस्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता से जुड़ी हुई है।

आयोजन को रोचक और सहभागितापूर्ण बनाने के लिए थीम आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और विभिन्न मनोरंजक गेम्स का भी आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, वहीं विजेताओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डॉ. सुरेश जैन, डॉ. दिनेश शारडा, डॉ. विजय माने, डॉ. गणेश गिरी, डॉ. द्वारका प्रसाद गुप्ता, डॉ. केदार वैष्णव, डॉ. ओमप्रकाश साहू, डॉ. लोकेश छीपा, डॉ. मुकेश नागौरी, डॉ. सुरेश शर्मा, डॉ. अंकेश जैन, डॉ. द्वारका अग्रवाल, डॉ. निखिलेश मोदी, डॉ. देवकी नंदन, डॉ. निर्मल, डॉ. सुनील मीणा, डॉ. सुभाष सहित जिले के अनेक पशुचिकित्सकों ने सपरिवार अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने केक काटकर विश्व पशुचिकित्सा दिवस का उत्सव मनाया और पशु एवं मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए अपने दायित्वों के प्रति पुनः संकल्प लिया।

सुविवि संविदा/एसएफएस कर्मचारियों ने अतिरिक्त मुख्य सचिव से लगाई न्याय की गुहार, शीघ्र समाधान का मिला आश्वासन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संविदा/एस.एफ.एस. कर्मचारियों ने अपनी लंबित समस्याओं के समाधान के लिए राज्य सरकार तक आवाज उठाई है। कर्मचारी संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका से मुलाकात कर न्याय की मांग की। प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व संगठन के अध्यक्ष नारायण लाल सालवी ने किया। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त मुख्य सचिव विश्वविद्यालय अतिथि गृह में अधिकारियों के साथ बैठक के लिए पहुंचे थे। बैठक के बाद कर्मचारियों ने उन्हें ज्ञापन सौंपते हुए अपनी समस्याएं विस्तार से रखीं। ज्ञापन में बताया गया कि विश्वविद्यालय में करीब 280 संविदा/एस.एफ.एस. कर्मचारी वर्षों से सेवाएं दे रहे हैं, जिनमें से लगभग 50 कर्मचारी 2017 से पहले से कार्यरत हैं। इन कर्मचारियों की नियुक्ति वर्ष 2004 में जारी विज्ञापन के तहत हुई थी और वे लगातार नियमित सेवाएं देते आ रहे हैं। कर्मचारियों ने बताया कि 2008 के आदेशों के तहत उनकी सेवाएं जारी रहीं, लेकिन 2017 में स्ववित्त पोषित सलाहकार मंडल के गठन के बाद उन्हें वहां स्थानांतरित कर दिया गया। इसके बाद भी राज्य सरकार के 2022 के कॉन्ट्रैक्ट हायरिंग नियमों के बावजूद अब तक उनका समायोजन नहीं किया गया है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि जनवरी 2026 में वेतन वृद्धि और पैनल गठन का आश्वासन दिया गया था, लेकिन उसका परिणाम अब तक जारी नहीं हुआ। साथ ही, विश्वविद्यालय द्वारा एजेंसी के माध्यम से नए मानव संसाधन लेने की प्रक्रिया शुरू करने की जानकारी से कर्मचारियों में असंतोष और मानसिक तनाव बढ़ा है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि जनवरी 2026 से उन्हें हर दो महीने में कार्य विस्तार देकर अस्थिरता की स्थिति में रखा जा रहा है, जबकि वे न्यूनतम वेतन पर काम करने को मजबूर हैं। सभी पक्षों को सुनने के बाद अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए कि कर्मचारियों की समस्याएं उचित हैं और उनका जल्द समाधान किया जाए। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को इस मामले में विस्तृत चर्चा के लिए जयपुर तलब किया और कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान जल्द निकाला जाएगा।

आरएनटी मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सुविधाओं का बड़ा विस्तारः 6 एसी एम्बुलेंस, साइटोलॉजी लैब और 2.6 करोड़ के जनरेटर प्रस्तावित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 25 अप्रैल। रवींद्रनाथ टैगोर मेडिकल कॉलेज से संबद्ध चिकित्सालयों में मरीजों को आधुनिक और सुलभ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शनिवार को राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी (आरएमआरएस) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी ने की। बैठक में अस्पताल परिसर में मरीजों के आवागमन की समस्या को गंभीरता से उठाया गया। प्राचार्य डॉ. राहुल जैन ने बताया कि वर्तमान में एक चिकित्सालय से दूसरे चिकित्सालय तक मरीजों को स्ट्रेचर से ले जाना पड़ता है, जिससे विशेषकर गर्मी और बरसात में काफी परेशानी होती है। इस पर त्वरित निर्णय लेते हुए राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने अपने सांसद मद से 3 वातानुकूलित मारुति ईको एम्बुलेंस देने की घोषणा की, जबकि लोकसभा सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने भी 3 एसी एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की स्वीकृति दी। लगभग 60 लाख रुपये की लागत से मिलने वाली ये 6 एम्बुलेंस मरीजों के सुरक्षित स्थानांतरण में सहायक होंगी। उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा ने अपने विधायक मद से 11 लाख रुपये की लागत से अत्याधुनिक साइटोलॉजी लैब स्थापित करने की घोषणा की, जिससे कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों की जांच सुविधाएं सुदृढ़ होंगी। इसके अलावा आपातकालीन परिस्थितियों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए डीएमएफटी फंड से 2.6 करोड़ रुपये की लागत से तीन बड़े जनरेटर सेट खरीदने का प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसे शीघ्र ही जिला कलेक्टर कार्यालय को भेजा जाएगा। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए कई अन्य प्रस्ताव भी तैयार किए गए, जिन्हें आरएसएमएम को भेजा जाएगा। इनमें रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक ब्लड डोनेशन बस, हिरण मगरी सेटेलाइट चिकित्सालय के लिए सीटी स्कैन मशीन, कार्डियोलॉजी विभाग के लिए विशेष जनरेटर सेट और ऑडिटोरियम के लिए अत्याधुनिक ऑडियो एवं माइक सिस्टम शामिल हैं।

शिल्पग्राम में श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश, सभी ने ली स्वच्छता की शपथ

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 25 अप्रैल। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के तहत शनिवार को शिल्पग्राम परिसर में श्रमदान कर साफ-सफाई की गई और स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया गया। निदेशक डॉ. अश्विन एम. दलवी ने बताया कि 16 से 30 अप्रैल तक चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत इस अभियान का आयोजन किया गया। इसके तहत शिल्पग्राम के कलाविहार और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सामूहिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और सांस्कृतिक स्थलों को साफ-सुथरा एवं आकर्षक बनाए रखना है। अभियान के दौरान सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, शिल्पकारों और कलाकारों ने मिलकर श्रमदान किया और स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में केंद्र से जुड़े अधिकारी, कर्मचारी, शिल्पकार एवं कलाकार बड़ी संख्या में मौजूद रहे और स्वच्छता अभियान को सफल बनाया।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।